ख्वाजा का करम | By Haji Aslam Sabri |

लेते ही नाम ख्वाजा का तूफान हट गया
लेते ही नाम ख्वाजा का तूफान हट गया
लेते ही नाम ख्वाजा का तूफान हट गया
लेते ही नाम ख्वाजा का तूफान हट गया
कश्ती मेरी आके समंदर सिमट गया
ये तो ख्वाजा का करम है
मेरे ख्वाजा का करम है

ख्वाजा के इश्क में मुझे बतलाऊँ क्या मिला
ख्वाजा के इश्क में मुझे बतलाऊँ क्या मिला
मुझे बतलाऊँ क्या मिला
मुझे बतलाऊँ क्या मिला
ख्वाजा के इश्क में मुझे बतलाऊँ क्या मिला
ख्वाजा के इश्क में मुझे बतलाऊँ क्या मिला
मुर्शिद मिले रसूल मिले और खुदा मिला
ये तो ख्वाजा का करम है
मेरे ख्वाजा का करम है

जिस वक्त मैंने दोस्तों ख्वाजा को पुकारा
मैंने ख्वाजा को पुकारा
मैंने ख्वाजा को पुकारा
जिस वक्त मैंने दोस्तों ख्वाजा को पुकारा
फौरन ही मिल गया मुझे मुश्किल में सहारा
जबसे मिला है मुझको उसी दर का उतारा
पहुँचा बुलंदियों पे मुकद्दर का सितारा
ये तो ख्वाजा का करम है
मेरे ख्वाजा का करम है

दामन को मेरे भर दिया खुशियों से ख्वाजा ने
दामन को मेरे भर दिया खुशियों से ख्वाजा ने
दामन को मेरे भर दिया खुशियों से ख्वाजा ने
औकात से ज्यादा नवाजा है ख्वाजा ने
ये तो ख्वाजा का करम है
मेरे ख्वाजा का करम है

दुख गमजदा को आपने दर पे बुला लिया
दामन में अपने ख्वाजा ने मुझको छुपा लिया
ख्वाजा पिया का मुझपे ये एहसान देखिए
जी एहसान देखिए
अजी एहसान देखिए
अजी एहसान देखिए
अजी एहसान देखिए
कहाँ मैं और कहाँ आस्ताँ में ख्वाजा मुईन
अजी एहसान देखिए
अजी एहसान देखिए
अजी एहसान देखिए
लोग कहते हैं गुलाम-ए-शहबत है मुझको

अजी एहसान देखिए
अजी एहसान देखिए
अजी एहसान देखिए
ख्वाजा पिया का मुझपे ये एहसान देखिए
मुझ जैसे एक हकीर को अपना बना लिया
ये तो ख्वाजा का करम है
मेरे ख्वाजा का करम है

दुश्मन बना था आपका जैपाल जादूगर
जादू से फेंका आप पे उसने बड़ा पत्थर
पत्थर वो सीधा आने लगा उनके जिस्म पर
पत्थर पे जब पड़ी मेरे सरकार की नजर
फरमाया
गिर जा तू मुझपे भेजा हुआ गर खुदा का
रुक जाना तू वहीं पे जो जादू बला का है
ख्वाजा मुईनुद्दीन ने पत्थर से जब कहा
ख्वाजा मुईनुद्दीन ने पत्थर से जब कहा
तलमी किए तू उंगली से पत्थर वो रुक गया
ये तो ख्वाजा का करम है
मेरे ख्वाजा का करम है

बिखरे पर्दा से ये कह-कह के सुकून पाता हूँ
छोड़ दामन मेरा मैं साबरी कहलाता हूँ
लाज रख लो मेरी मैं आपका कहलाता हूँ
आपके मंगतों में सरकार गिना जाता हूँ
कौन है मेरे सिवा साहिब-ए-तकदीर ऐसा
मिल गया मेरे मुकद्दर से मेरे पीर ऐसा
निस्बत मिली है जबसे मुझे तेरे नाम की
इज्जत जहाँ में होने लगी इस गुलाम की
ये तो ख्वाजा का करम है
मेरे ख्वाजा का करम है

रखी है लाज आपने हर हर मकाम पर
यूँ ही करम रहे तेरे आका गुलाम पर
इसी दर की बदौलत वाखुदा पाई है ये दौलत
लुटाता जाता हूँ जितनी ये उतनी बढ़ती जाती है
लौ माँगी मुरादों की दुआ करते हैं
मैंने हर चीज तलब से भी सिवा पाई है
ये तो ख्वाजा का करम है
मेरे ख्वाजा का करम है

निस्बत हुई है जबसे मुझे तेरे नाम से
दुनिया पुकारती है बड़े एहतराम से
औज पर है मेरी किस्मत का सितारा ख्वाजा
कर रहा हूँ तेरे गुम्बद का नजारा ख्वाजा
गदाओं को अता है विलायत
ये तो ख्वाजा का करम है
मेरे ख्वाजा का करम है

ऐ शाह-ए-बुता गदा नवाजे

परमान मखिजन निगाहें लाड़े
कभी-कभी तो कोई नवाजे
कभी-कभी तो कोई नवाजे
मेरा ख्वाजा सदा नवाजे
माँगा किसी ने कतरा तो दरिया बहा दिया
ये तो ख्वाजा का करम है
मेरे ख्वाजा का करम है

आपसे आपकी निस्बत का सहारा लेकर
क्या से क्या हो गया मैं नाम तुम्हारा लेकर
दिल जिगर जान क्या ईमान भी ले ले ख्वाजा
हो गया मैं भी सफी तेरा उतारा लेकर
ये तो ख्वाजा का करम है
मेरे ख्वाजा का करम है

जिसे देखो वो आमादा है घर का घर लुटाने पर
जिसे देखो वो आमादा है घर का घर लुटाने पर
ये क्या जादू किया तुमने मेरे ख्वाजा जमाने पर
मेरे ख्वाजा जमाने पर
मेरे ख्वाजा जमाने पर
मेरे ख्वाजा जमाने पर
मेरे ख्वाजा जमाने पर
जिसे देखो वो आमादा है घर का घर लुटाने पर
ये क्या जादू किया तुमने मेरे ख्वाजा जमाने पर
बदनसीबी का गिला करते हुए आते हैं लोग
बदनसीबी का गिला करते हुए आते हैं लोग
उनका सदका देके जाने क्या-क्या ले जाते हैं लोग
जब तक बिका न था तो कोई पूछता न था
तुमने खरीद कर मुझे अनमोल कर दिया
ये तो ख्वाजा का करम है
मेरे ख्वाजा का करम है

साबिर-ए-पाक की ये निस्बत है
हर बशर एहतराम करता है
उसकी दर से मिला मुझे ये उरूज
एक आलम सलाम करता है
ये तो ख्वाजा का करम है
मेरे ख्वाजा का करम है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a5%8d%e0%a4%b5%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a4%ae-by-haji-aslam-sabri/